॥ सत्यमेव जयते ॥

भदोही के घर-घर में, अलख जगेगी जन-जन में।
श्याम-सभालो नाम है, सत्यमेव जयते काम है ॥

लोकसभा निर्वाचन 2024 में

78 भदोही लोकसभा क्षेत्र हेतु सांसद प्रत्याशी

डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो

(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)

प्रत्येक सज्जन नागरिक के स्वाभिमान का हो सम्मान, न करे कोई अपमान, ऐसा हो प्रावधान

आर्यावर्ते सत्यमेवजयते अभियान

॥ सत्यमेवजयते गान ॥

आओ हम सब मिलकर गाएँ,
सत्यमेव जयते।
दसों दिशाएँ भी दुहराएँ,
सत्यमेव जयते ॥

ज्ञान कर्म और भक्ति शक्ति का
गूँजे पावन स्वर,
मंत्र सरीखा लगता जिसका
एक - एक अक्षर,
स्वर अक्षर साकार बनाए,
सत्यमेव जयते।
लोक शास्त्र सब मिल बन जाए,
सत्यमेव जयते ॥
आओ...

सत्य न्याय सत्कर्म मार्ग पर
कदम बढ़ें आगे,
क्षमा दया करुणा से भरकर
लोक धर्म जागे,
प्रेम शांति का पाठ पढ़ाए,
सत्यमेव जयते।
कल्मष कोसों दूर भगाए,
सत्यमेव जयते ॥
आओ...

भीत ढहा दे भेदभाव की
हो इतनी क्षमता,
जन-जन की छाती में पनपे
भाव बढ़े समता,
अपनेपन का गीत सुनाए,
सत्यमेव जयते।
एक धर्म जो सबको भाए,
सत्यमेव जयते ॥
आओ...

ऋषि वाणी यह भरत भूमि के
संविधान की भाषा,
हर प्राणी के अंतर्मन की
जो शाश्वत अभिलाषा,
भारत की मंगल परिभाषा,
सत्यमेव जयते।
सत्य अहिंसा धर्म हमारा,
सत्यमेव जयते ॥
आओ...

सत्यमेवजयते !
सत्यमेवजयते !!
सत्यमेवजयते !!!

॥ सत्यमेव जयते ॥

जीवन कार्य परिचय

डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो
(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)

जन्म तिथि 03 अगस्त 1966

जन्म स्थान ग्राम - लमाही, बरौत, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 221502

शिक्षा

- बी.एससी., इविंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
- **एम. एससी. (प्राणि विज्ञान), काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर**
- **एम. ए. (हिंदी), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अध्येता योग्यता परीक्षा**
- **एम. फिल. (भाषा और समाज), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली**
- **पीएच.डी., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली**

मानवाधिकार में प्रमाण-पत्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

योग में प्रमाण पत्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

- **एल.एल.बी., महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी**

पाठ्येतर कार्य : विद्यार्थी काल में निबंध लेखन एवं वाद-विवाद में अनेकशः प्रथम स्थान

भाषा ज्ञान : हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, गुजराती, पंजाबी, बंगला, तमिल, उर्दू

खेल : दौड़, तैराकी, बास्केटबाल, पर्वतारोहण

साहसिक क्रियाकलाप : क्रास कंट्री दौड़ में द्वितीय स्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

स्कीइंग, रीवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, 1995

प्रायोजक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं नेशनल एडवेंचर फाउंडेशन, नई दिल्ली

- **2008 से 2010 - उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रहे।**

शोध अध्ययन

- **सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज नई दिल्ली** और **द हिंदू** दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र के लिए **लोकसभा चुनाव 1996 का बिहार में शोध सर्वेक्षण**
- राजभाषा हिंदी के स्वरूप और प्रयोग की संभावनाएं और भारतीय भाषाओं से संबंध

राजकीय सेवा : **जिला युवा कल्याण अधिकारी, उत्तरकाशी** (मार्च 1998 से जून 1999)

उप आयुक्त - राज्य कर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त (30 सितंबर 2022)

नेतृत्व

- **काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर, वाराणसी एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में छात्रनेता रहे।**

राजकीय सेवा में सत्यनिष्ठ, कर्मठ और संवेदनशील अधिकारी के रूप में सामान्यतः प्रदेश में और विशेषतः प्रयाग-काशी के कर्मचारियों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, नागरिकों में लोकप्रिय तथा समाजसेवी के रूप में घर-घर, गाँव-गाँव परिचय।

गुरु आशीर्वाद

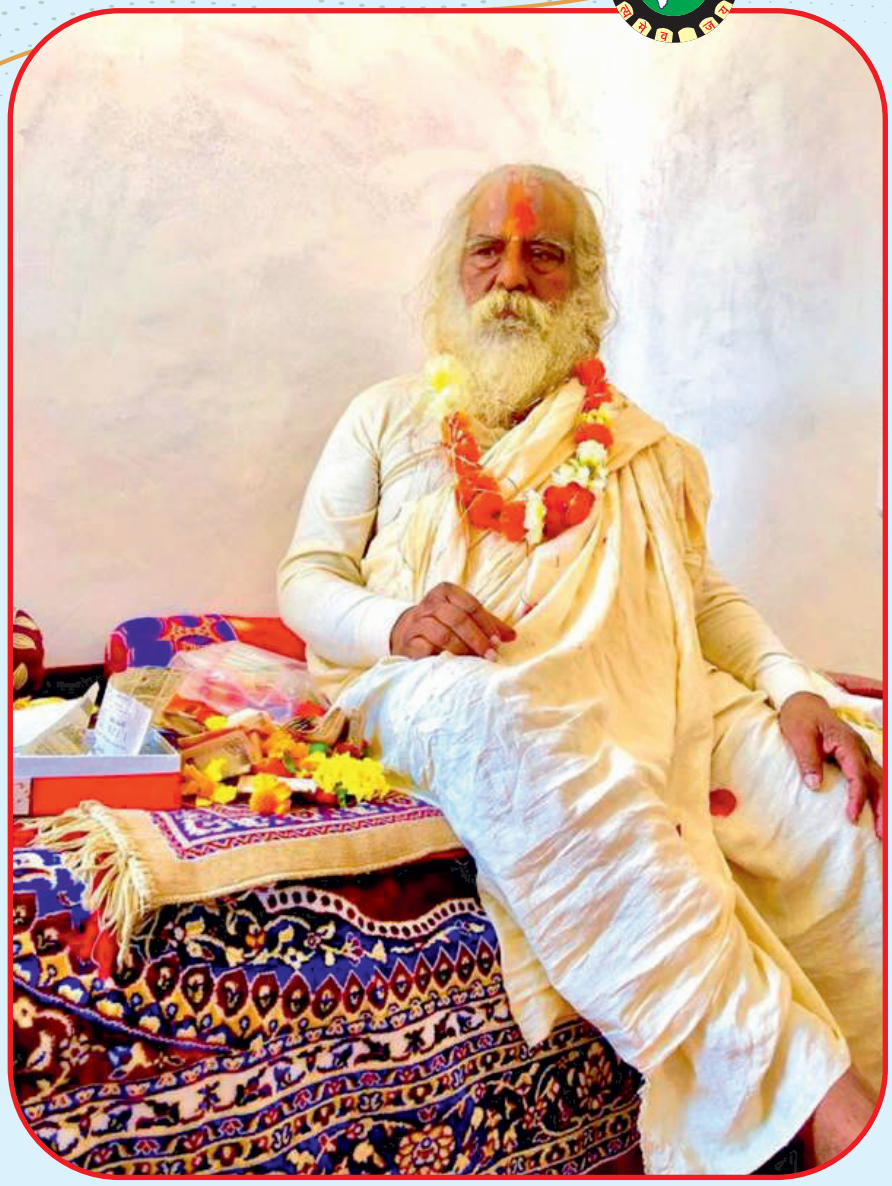

पूज्य गुरुदेव महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज - अयोध्या

अध्यक्ष - श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास

पूज्य गुरुदेव के कृपापात्र शिष्य -

ब्रह्मलीन स्वामी राम नारायण दास जी महाराज प्रयाग का स्नेहाशीष

प्रयाग कुंभ 1982 के अवसर पर
पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज से दीक्षा लेकर
15 वर्ष की अवस्था में घर परिवार का त्याग,
कुछ काल परिव्राजक रहे।

जो जितना सरल है - वह उतना सबल है। जो जितना सजल है - वह उतना सफल है।

डॉ. वी.के. सारस्वत, कुलाधिपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली व सदस्य नीति आयोग भारत सरकार
और प्रो. मामीडाला जगदीश कुमार, कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
द्वारा दिनांक 08-08-2018 को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई।

सिटी मांटेसरी स्कूल लखनऊ में आयोजित 5वें अंतरराष्ट्रीय बायोटेक्नोलॉजी फेस्टिवल 2017
के अवसर पर शिक्षकों - विद्यार्थियों को संबोधन, दिनांक 6 अगस्त 2017
साथ में श्रीमती भारती गांधी - श्री जगदीश गांधी जी, संस्थापक निदेशक सी.एम.एस. लखनऊ

JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY
New Delhi-110067

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110067

JNU EXCHANGE NOS
6107676 6167557
DEAN of STUDENTS
6105923 6107676/eX--231
Fax: 6198234 6165886

Telephone : 655923, 667557/ Ext. 231 & 358
E. mail : asthana@jnuniv.ernet.in

Fax : 91 11 6865886
Telex : 031-73167 JNU IN

V. ASTHANA, Ph.D.
Dean of Students

14 August 1996

Dear Shri Tiwari,

I am in receipt of a copy of the appeal which you have issued to the fellow residents of Sutlej hostel for maintaining the required hygiene and decorum in the hostel mess. I commend you for your public spirit in action and forceful appeal.

I am of the firm view that the hostels can be managed only with the full cooperation,&involvement of every resident of the hostels of the University. No amount of rules, regulations or cooperation on the part of IHA can ensure a clean, harmonious and disciplined hostel without the self motivation and practice of each of the resident in all of our hostels.

Once again appreciation for your interest and wherever my office could be of any assistance to you please feel free to call upon us for the same.

With best wishes,

Yours sincerely,

V. ASTHANA

Shri Shyamdhar Tiwari
Mess Secretary
Sutlej Hostel
R.No-128

छात्रावासी के रुप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में संचालित किए गए छात्रावास स्वच्छता अभियान के प्रभाव के बारे में अधिष्ठाता छात्र महोदय का प्रशंसा-सहयोग पत्र

SULABH INTERNATIONAL SOCIAL SERVICE ORGANISATION

सुलभ इन्टरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन

(NGO in General Consultative Status with the Economic and Social Council of the United Nations)

डॉ. विन्देश्वर पाठक
पीएच.डी., डी.लिट्.
समाजशास्त्री एवं समाजसुधारक
संस्थापक
सुलभ-स्वच्छता-आंदोलन

पत्रांक/SIF/1210/2014

दिनांक : 01 अगस्त, 2014

अनुशंसा-पत्र

हमें यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि तुलसी संस्थान, बरौत, इलाहाबाद, उत्तर-प्रदेश अपनी स्थापना के 16 वर्ष पूरा कर चुका है। अस्तु बधाई।

विगत 16 वर्षों से तुलसी संस्थान शिक्षा, स्वास्थ्य, वैज्ञानिक कृषि, पर्यावरण, नेत्रदान इत्यादि के क्षेत्र में जन जागरूकता का कार्य करते हुए लोकप्रतिष्ठित हुआ है। अपने विषय के विशिष्ट व्यक्तियों को आमंत्रित करके संस्था-द्वारा अनेक उल्लेखनीय सामाजिक कार्य किए गए हैं, जो लोकहितकारी सिद्ध हुए हैं।

ग्रामीण निर्धन-प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए संचालित पूर्व माध्यमिक विद्यालय तुलसी विद्यापीठ के उद्घाटन-अवसर पर वर्ष 2007 में हमें तुलसी संस्थान, बरौत, इलाहाबाद, उत्तर-प्रदेश के परिसर में उपस्थित होने का अवसर मिला था। तुलसी संस्थान की पारदर्शिता और पावन उद्देश्य को देखकर सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन-द्वारा तुलसी विद्यापीठ में विद्यार्थियों की सुविधा-विस्तार-हेतु आर्थिक सहायता दी जाती रही है।

तुलसी संस्थान देश की समर्थ संस्थाओं, संगठनों, कंपनियों तथा व्यक्तियों के उदार सहयोग का पात्र और प्रामाणिक संस्थान है।

एक समाजशास्त्री होने के नाते तुलसी संस्थान-द्वारा संचालित/आयोजित कार्यक्रमों की सफलता एवं सार्थकता में मेरा विश्वास है। सुलभ इंटरनेशनल-परिवार और अन्य संगठनों या समूहों की ओर से तुलसी संस्थान को निरंतर सहयोग एवं मार्ग दर्शन मिलता रहेगा, ऐसी हमारी शुभकामना है।

आपका,

(विन्देश्वर पाठक)

सेवा में
श्री श्यामधर तिवारी
तुलसी संस्थान
ग्राम+पो.-बरौत, तहसील-हंडिया
जिला-इलाहाबाद, पिन-221 502

Website: http://www.sulabhinternational.org, www.sulabhtoiletmuseum.org
Delhi Office: Sulabh Gram, Mahavir Enclave, Palam-Dabri Road, New Delhi - 110 045 (India), **Tel.:** (+91-11) 25031518, 25031519
Fax: (+91-11) 25034014, 25055952, **E.mail:** sulabhinfo@gmail.com/sulabhinfo1@gmail.com
Regd. Office: Sulabh Bhawan, New Patliputra Colony, Patna - 800 013 (India), **Tel. Off.:** (+91-612) 2263650, 2270827; **Fax :** (+91-612) 2270773

मा. कलराज मिश्र तत्कालीन कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार और
मा. महेंद्र नाथ पांडेय, तत्कालीन राज्य मंत्री, संप्रति कैबिनेट मंत्री, भारी उद्योग भारत सरकार द्वारा
साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर लखनऊ में दिनांक 29.05.2016 को सम्मानित किया गया।

हिन्दुस्तान
वाराणसी • सोमवार • 21 अगस्त 2017

बीएचयू के केएन उडुप्पा सभागार में सत्यमेव जयते न्यास की ओर से किया गया संगोष्ठी का आयोजन

युवा राष्ट्र की पूंजी, इनका सदुपयोग जरूरी

बोले राज्यपाल

वाराणसी | प्रमुख संवाददाता

भारत वर्ष 2025 तक दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र होगा अर्थात दुनिया में सबसे अधिक युवा भारत में होंगे। यही युवा हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। इस पूंजी का सदुपयोग जरूरी है अन्यथा ये युवा राह भटकेंगे और आतंकवाद जैसी अमानवीय गतिविधियों से जुड़ेंगे।

यह कहना है प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक का। वह रविवार को बीएचयू के केएन. उडुप्पा सभागार में सत्यमेव जयते न्यास के एक दशक पूरे होने पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि जब हम अपनी पूंजी का सदुपयोग नहीं करेंगे तो दूसरे उसका दुरुपयोग ही करेंगे। युवा शक्ति के मामले में ऐसा बिल्कुल नहीं होने देना चाहिए। हमें सचेत रहने की आवश्यकता है।

संगोष्ठी के विषय 'राष्ट्र के निर्माण और विकास में शिक्षालयों की भूमिका' को संदर्भित करते हुए उन्होंने कहा कि आज हमारी शिक्षा व्यवस्था कहां खड़ी है, इसपर विचार करना आवश्यक है। हम कहां खड़े हैं, हमारा रास्ता कैसा है, हमारा लक्ष्य क्या है- इन प्रश्नों के उत्तर हमें खोजने होंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि संगोष्ठी में विचार-विमर्श के निष्कर्ष से मुझे भी अवगत कराया जाय ताकि उसके आधार पर प्रदेश के 29 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ विचार-विमर्श हो सके। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जस्टिस गिरिधर मालवीय ने की।

योग के बल पर मैं कैंसर से लड़ा

संगोष्ठी में राज्यपाल राम नाईक ने योग शिक्षा पर बल दिया। बताया कि योग के बल पर ही मैं साठ वर्ष की उम्र में कैंसर से लड़ सका। उन्होंने कहा कि अब मैं 83 के पार हो रहा हूं मगर बीस वर्ष पूर्व मुझे कैंसर हो गया था। कैंसर से लड़ने में आत्मशक्ति और शरीर की शक्ति-दोनों काम आई। यह शक्ति मुझमें इसलिए थी, क्योंकि पढ़ाई आरंभ होने से लेकर कक्षा 12 तक हम लोगों का पहली कक्षा सूर्य नमस्कार की होती थी। सभी बच्चे 25 बार रोज सूर्य नमस्कार करते थे।

बीएचयू के केएन उडुप्पा सभागार में सत्यमेव जयते न्यास की ओर से रविवार को आयोजित संगोष्ठी के दौरान प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक को स्मृति चिह्न प्रदान करते न्यास के अध्यक्ष श्यामधर तिवारी, साथ में हैं जस्टिस गिरधर मालवीय और सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ.बिन्देश्वरी पाठक।

नौकरी के लिए पढ़ना है तो छोड़ दें बीएचयू

वाराणसी | प्रमुख संवाददाता

अंग्रेजों के शासनकाल में दौर ऐसा भी था जब बीएचयू से पढ़ने वालों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाती थी। छात्र चिंतित हुए। महामना को पता चला तो उन्होंने छात्रों की सभा बुलाई और कहा कि जिन्हें नौकरी के लिए पढ़ना है, वे बीएचयू छोड़ दें। बीएचयू में नौकरी पाने की नहीं, राष्ट्र निर्माण की पढ़ाई होती है।

यह संस्मरण जस्टिस गिरिधर मालवीय ने रविवार को बीएचयू में संगोष्ठी में सुनाया। वह सत्यमेव जयते न्यास के दस वर्ष पूरे होने पर हुई संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे। इससे पूर्व राज्यपाल एवं अन्य अतिथियों ने दो पुस्तकों का विमोचन किया। इनमें के. चंद्रमौलि एवं मधुमिता भट्टाचार्य की कृति त्रिपथगामिनी एवं सनातनी रामानंद का संग्रह सत्यनिष्ठ हरिश्चंद्र शामिल हैं। उद्घाटन सत्र में न्यास के अध्यक्ष श्यामधर तिवारी ने विषय प्रवर्तन किया। लोकसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कृष्णबिहारी पांडेय, जेएनयू के प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डा. बिंदेश्वर पाठक ने भी विचार रखे।

महामना की सीख

- जस्टिस गिरिधर मालवीय ने सुनाया महामना से जुड़ा संस्मरण
- राष्ट्र निर्माण में शिक्षलयों की भूमिका पर तीन सत्रों में मंथन

लोक सेवकों का किया गया सम्मान : समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए 13 लोगों को राज्यपाल राम नाईक ने लोक सेवक सम्मान दिया। इनमें पर्वतारोही राजू सौमित्र, रीता जायसवाल, डा. बृजेशकांत द्विवेदी, डा. विवेकानंद तिवारी, सुखदेव मिश्र, डा. केवीपी सिंह, सनातनी रामानंद, डा. धर्मेंद्र मिश्र-महोबा, डा. राजेश मिश्र, प्रेमनाथ कल्कि, डा.एलएस ओझा प्रमुख हैं। सहारनपुर के डीएम प्रमोद पांडेय, बीएसएफ के ध्रुवकांत ठाकुर व इलाहाबाद के एसपी जुगुल किशोर नहीं शामिल हो सके।

अगले दो सत्रों में देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिक्षाविदों ने शिक्षालयों की भूमिका पर मंथन किया। मुंबई के प्रो. संदीप देसाई, डॉ. चंद्रशेखर, पटना के डॉ. ब्रह्मानंद चतुर्वेदी, दिल्ली के राम महेश मिश्र, पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त गिरीश नारायण पांडेय ने विचार रखे। समापन सत्र के मुख्य अतिथि सूबे के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री रहे। इस सत्र में प्रो. केबी पांडेय, प्रो. राजा वशिष्ठ त्रिपाठी, चतुर्भुजनाथ त्रिपाठी, पं. हरिराम द्विवेदी, मृदुल शुक्ल, प्रो. वीपी चतुर्वेदी, कामेश्वर उपाध्याय, देव भट्टाचार्य ने विचार व्यक्त किए। संचालन प्रो. पीके मिश्र व संजय शर्मा ने किया।

मा. श्री राम नाइक
महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
की उपस्थिति और
न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय जी
की अध्यक्षता में
काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी
में राष्ट्र के निर्माण और विकास में
शिक्षालयों की भूमिका विषयक
राष्ट्रीय परिचर्चा सम्मेलन का आयोजन

सत्यमेव जयते न्यास के
दस वर्ष पूरा होने के अवसर पर
काशी हिंदू विश्व विद्यालय
वाराणसी में
दिनांक 20 अगस्त 2017
को राष्ट्रीय परिचर्चा सम्मेलन
का उद्घाटन
मंच पर बैठे हुए (बायें से दाहिने)
सर्वश्री पद्मभूषण डॉ. बिंदेश्वर पाठक,
श्याम धर तिवारी,
मा. राम नाइक, राज्यपाल उत्तर प्रदेश,
न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय और
प्रो. कृष्ण बिहारी पांडेय
पूर्व कुलपति एवं पूर्व अध्यक्ष
लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश

7th Ideal Village Conference on
Rural Transformation for Sustainable Growth
11 Nov. 2022 Swatantrata Bhawan, BHU, Varanasi

श्री चंद्र शेखर प्राण, पूर्व निदेशक नेहरू युवा केंद्र संगठन व संस्थापक तीसरी सरकार अभियान और डॉ. श्याम धर तिवारी

हमारी काशी कैसी हो विषयक
सत्यमेव जयते न्यास एवं
वाराणसी नागरिक मंच द्वारा
आयोजित संयुक्त सभा
मंच पर सर्वश्री अजीत बग्गा, देव भट्टाचार्य,
मुख्य अतिथि-मा. डॉ. नीलकंठ तिवारी,
राज्य मंत्री उ.प्र. शासन
प्रो. एस.एन. उपाध्याय,
डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो
प्रो. राजा वशिष्ठ त्रिपाठी
स्थान-काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
रविवार, 16 अप्रैल 2017

2011-श्रीरामकृष्ण पंचांग का प्रकाशन प्रारंभ

सत्य के समर में...
त्रैमासिक पत्रिका
का प्रकाशन 2015

माउंट एवरेस्ट विजेता मित्र श्री राजीव सौमित्र नई दिल्ली के साथ 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कृष्ण कुमार खन्ना जी के मेरठ स्थित आवास पर भेंट

सत्यमेवजयते न्यास की प्रेस वार्ता में श्री कृष्ण कुमार खन्ना जी, डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो (उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल) मेजर हिमांशु व अन्य - श्री गांधी आश्रम गढ़रोड, मेरठ दिनांक 8 नवंबर 2022

पपीते की खेती

दिशा सेवा संस्थान के निदेशक व तुलसी संस्थान, बरौत, प्रयागराज की प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य श्री अमित कुमार मोहन के साथ सस्टेनेबल ग्रोथ इनिशिएटिव के सहयोग से लगाये गये फलदार पौधों का निरीक्षण ग्राम-सुराना, गाजियाबाद (अक्तूबर 2019)

सही नियम से काम करना - भाई बहनों का दुःख हरना

॥ सत्यमेव जयते ॥

आह्वान

To establish the 'Hindu Rashtra' Fortnightly

SANATAN PRABHAT

21 Jun 2023 | 06:10 PM

YOGA AND SPIRITUALITY NECESSARY FOR THE UPLIFTMENT OF THE NATION

-Dr. Satyamev Jayate Lokmangal
(Dr. Shyam Dhar Tiwari)
President- Satyamev Jayate Trust

Ramnath Devsthan- Corruption in government offices did not stop after the independence of India. Teaching yoga and spirituality in government offices and schools can prevent corruption. Spirituality is the strength of India. The government needs to pay attention to this. India is weak without spirituality. Spreading spirituality in the society will facilitate the mission of nation-building. If spirituality, meditation and yoga were taught in the government offices, the concept of Surajya would have been achieved. 'Spirituality' is the greatness of India. When all of Hindu society embraces spirituality, India will shine like the sun. Our mission is 'Vasudhaiva Kutumbakam'. This concept can be achieved only if Hindus practice spirituality. While establishing the Hindu Rashtra, the plan for the next 1,000 years should be determined, said Dr Satyamev Jayate Lokmangal, the president of the organization 'Satyamev Jayate'. He was addressing the audience on Day 5 (on 20.6.2023) of the ongoing Vaishvik Hindu Rashtra Mahotsav here.

— Goa, International News
— Vaishvik Hindu Rashtra Mahotsav

सत्यमेव जयते न्यास प्रयागराज व सहयोगी संगठनों द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीयता अभियान के अंतर्गत प्रयाग से काशी तक गंगा जल यात्रा का आयोजन
दिनांक 1 नवंबर से 11 नवंबर 2012

लीलापुर 1.11.2012

लाक्षागृह 3.11.2012

सीतामढ़ी 4.11.2012

सेमराध 5.11.2012

हंस देवरहा बाबा आश्रम विंध्याचल 6.11.2012

सेमराध 5.12.2012

रामबाग, चुनार 9.11.2012

इलाहाबाद डिग्री कालेज, प्रयाग 1.11.2012

डॉ. के.एन. सुब्बाराव जी के साथ

केदारघाट, काशी 11.11.2012

भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीयता अभियान के अंतर्गत प्रयाग से काशी तक गंगा जी के दोनों तटों पर शिला स्थापन, गांवों एवं विद्यालयों में जनसंपर्क एवं प्रशिक्षण। **सत्यमेव जयते - हिंद स्वराज गंगाजल यात्रा** कार्यक्रम में **किसान चौपाल** और विद्यालयों में **युवा संवाद** का आयोजन

अमर उजाला

वाराणसी । सोमवार, 20 अप्रैल 2015

'मुक्ति' का घाट तमाम विडंबनाओं से मुक्त

वाराणसी (ब्यूरो)। मुक्ति का धाम हरिश्चन्द्र घाट राख, कफन और कूड़े के ढेर से जब उबरा तो चमकने लगा। पुराने लोग भी कह उठे कि इन लड़कों ने घाट को विडंबनाओं से आखिर मुक्त ही करा दिया। अरसे बाद घाट की सीढ़ियों से लेकर फर्श तक बिखरे अधजले कोयले की सफाई कराए जाने के बाद अब वहां पर्यटक भी कुछ पल गुजारने लगे हैं। दुर्गंध के चलते जहां इस घाट पर खड़ा होना मुश्किल था, वहीं बर्निंग प्वाइंट देखने के लिए विदेशी सैलानियों की भीड़ लग रही है।

युवाओं ने बदल दी सूरत

पीएम नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को गति देने के लिए काशी आए गुजरात के नवसारी के सांसद आरसी पाटिल के प्रयासों से हरिश्चंद्र घाट की सूरत बदली है। उनकी इस मुहिम में चार चांद लगाया सत्यमेव जयते संस्था के कार्यकर्ताओं ने। सत्यमेव के संस्थापक श्याम धर तिवारी बताते हैं कि संस्था से जुड़े युवाओं ने टीम बनाकर इस घाट की धुलाई सफाई कराई।

शेष पेज 13 पर

मा. प्रधानमंत्री जी के राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के लिए मा. सी.आर. पाटिल तत्कालीन सांसद नवसारी के नेतृत्व में **अग्रदूत के रूप में सत्यमेव जयते न्यास द्वारा वाराणसी में गंगाजी के तट पर सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र घाट और आर्ट ऑफ लिविंग वाराणसी के साथ मिलकर भदैनी घाट** तथा गलियों-पार्कों का ऐतिहासिक स्वच्छता अभियान कार्य संपन्न किया गया।

युवा सम्मेलन

सत्यमेव जयते न्यास द्वारा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में दिनांक 15 जून 2008 को आयोजित लोक जीवन में सत्य के प्रयोग विषयक युवा सम्मेलन में श्री हीरालाल यादव यात्री, प्रो. डी. के. सिंह, प्रो. पंजाब सिंह - पूर्व कुलपति काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी मुख्य अतिथि मा. इंद्रेश कुमार जी सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मा. कौशलेंद्र सिंह-महापौर वाराणसी, प्रो. कृष्ण बिहारी पांडेय-पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग, प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी-निदेशक गांधी अध्ययन केंद्र, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी एवं श्री श्याम धर तिवारी (स.भा.लो.), अध्यक्ष सत्यमेव जयते न्यास

आर्ट ऑफ लिविंग वाराणसी द्वारा आयोजित युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यशाला मुख्य अतिथि - श्री रविंद्र जायसवाल जी, विधायक वाराणसी विशिष्ट अतिथि - श्री श्याम धर तिवारी जी, संयोजक - श्री राकेश टंडन जी महमूरगंज, वाराणसी

गोरखपुर में स्वच्छता अभियान

सत्यमेव जयते न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा **नेताजी सुभाष चंद्र बोस** की जयंती से **राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस** तक **रेलवे जंक्शन गोरखपुर से दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर** तक दोनों ओर दुकान, पटरी, सड़कों, नालों आदि का तीन दिवसीय स्वच्छता अभियान कार्यक्रम संपादित, जनवरी 2019

अमर उजाला

गोरखपुर। बुधवार, 5 जून 2019

सिर्फ पौधे ही नहीं लगवाए, संरक्षण को भी किया प्रेरित

श्यामधर तिवारी एडिशनल कमिश्नर वाणिज्य कर विभाग

गोरखपुर। बस एक शौक ने उन्हें प्रकृति का रखवाला बना दिया। वाणिज्यकर विभाग में एडिशनल कमिश्नर श्यामधर तिवारी जहां भी रहते हैं बगिया तैयार कर लेते हैं। इतना ही नहीं जिन पौधों को वो अपने सहयोगियों की मदद से लगाते हैं, उसके पेड़ बनने तक संरक्षण की सारे इंतजाम भी करते हैं। श्यामधर तिवारी बताते हैं कि नौबतपुर में तैनाती के दौरान उन्होंने 108 पौधे लगाए जो आज बगीचा बन गया है। 2017 में गोरखपुर आए तो वाणिज्यकर विभाग के चारों तरफ गंदगी का अंबार देखा। परिसर के पास कोई भी पेड़- पौधा नहीं था। तभी परिसर को हरा-भरा बनाने की ठान ली। कैंपस से करीब 10 ट्रॉली कूड़ा-कचरा हटवाने के बाद परिसर में पौधे लगाने का काम शुरू किया। यहां न सिर्फ खुद पौधरोपण किया बल्कि इसमें अपने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी जोड़ा। पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित भी किया। इस समय वाणिज्य कर विभाग के चारों तरफ 38 किस्म के करीब 200 पौधे हैं। विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी इस पहल की न सिर्फ सराहना की बल्कि पूरा सहयोग दिया। हर अधिकारी ने एक-एक पौधे की देखरेख की जिम्मेदारी ली और आज परिसर हरा भरा-नजर आने लगा है।

॥ सत्यमेव जयते ॥

तुलसी संस्थान बरौत

अमर उजाला

तुलसी जयंती 23 अगस्त 2015

परिवार, पंचायत और कृषि पर टिकी है पूरी भारतीय संस्कृति

बरौत में गोस्वामी तुलसीदास का तीन दिवसीय जयंती समारोह

अमर उजाला ब्यूरो

बरौत। गोस्वामी तुलसीदास का तीन दिवसीय जयंती समारोह बरौत स्थित तुलसी संस्थान में श्यामधर तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शुक्रवार को समापन के मौके पर मुख्य अतिथि भदोही के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि भारतीय संस्कृति, परिवार, पंचायत और कृषि पर टिकी है। भारतीय संस्कृति पूरे विश्व को परिवार के रूप में देखती है, जबकि पाश्चात्य संस्कृति विश्व को बाजार के रूप में देखती है। परिवार की मर्यादा के कारण भगवान राम ने चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार किया। आज उस परिवार व्यवस्था पर ही बाजार का आक्रमण हो रहा है। तुलसीदास के विचार में राम राज्य समता का राज्य है, जहां समाज में दैहिक, दैविक भौतिक संताप नहीं पाया जाता।

भारतीय संस्कृति विश्व को देखती है परिवार के रूप में पाश्चात्य संस्कृति विश्व को देखती है बाजार के रूप में

तुलसीदास के विचार में रामराज्य समता का राज्य जहां नहीं पाए जाए जाते हैं समाज में कोई कष्ट

वही आदर्श है आधुनिक पंचायतीराज का

आधुनिक पंचायती राज उसी आदर्श को प्राप्त करने का प्रयास करता है, लेकिन उसके सामने पैसा, पिस्तौल और जाति का संकट खड़ा हो गया है। कोई राज सत्ता पंचायत को परमेश्वर की भूमिका नहीं दिला सकती है। यह क्षमता केवल समाज में ही है। संस्थान के अध्यक्ष श्यामधर तिवारी ने कहा कि इस क्षेत्र में विगत एक दशक में संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए तुलसी विद्यापीठ एवं सार्वजनिक जीवन में सत्य निष्ठा को आगे बढ़ाने के लिए सत्यमेव जयते जैसे दो प्रमुख अनुषंगी संगठन तैयार हुए हैं।

इनके कार्यों को गुणवत्ता पूर्वकआगे बढ़ाने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। अध्यक्षता कर रहे प्रो. के.बी. पांडेय ने कहा कि तुलसीदास का साहित्य समाज को जोड़ता है। इस अवसर पर चंद्रशेखर प्राण, पुलिस अधीक्षक जुगुल किशोर तिवारी कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिक प्रो. राजा वशिष्ठ, एनके वैद्य, डा. एलएस ओझा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में खेलकूल प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के अध्यक्ष श्यामधर तिवारी ने आभार व्यक्त किया। संचालन तुलसी विद्यापीठ प्राइम इंटर नेशनल के प्राचार्य कैप्टन एसएन दुबे ने किया

तुलसी जयंती कार्यक्रम में उपस्थित सांसद और अन्य।

दैनिक जागरण इलाहाबाद 24 नवम्बर 2013

खतरनाक कार्य करना ही हमारा शौक

हंडिया, इलाहाबाद : हंडिया विकास खण्ड के बरौत गांव स्थित तुलसी विद्यापीठ में आयोजित स्वागत समारोह में माउंट एवरेस्ट विजेता राजीव सौमित्र का स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कक्षा 6 में पढ़ते समय से ही देश की महानतम ऊंचाई पर चढ़ने व खतरनाक कार्य करना ही हमारा शौक है।

एवरेस्ट फतह करने वाले राजीव का स्वागत

इसके लिए हिम्मत व जज्बा होना अति आवश्यक है। कोई भी कार्य कठिन नहीं होता लेकिन उसके लिए आत्मबल की जरूरत अवश्य पड़ती है। कहा कि यदि इस दौरान हार भी होती है तो हताश नहीं होना चाहिए, लगे रहने से सफलता अवश्य मिलती है। बताया कि भारत में सिर्फ तीन ट्रेनिंग सेन्टर हैं, जबकि जर्मनी व अन्य देशों में कफी अधिक संख्या में हैं। दृष्टिहीनों के लिए ऐसे ऊंचाई पर चढ़ने के लिए सारे खर्चे खुद उठाकर भारत को पहला दृष्टिहीन माउंट एवरेस्ट विजेता बनाने के लिए प्रयास बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रामानन्द तिवारी ने कहा लगन के बिना किसी भी प्रकार का कार्य पूरा नहीं होता। इसके लिए जज्बा होना आवश्यक है। प्रधानाचार्य कैप्टन एसएन द्विवेदी, शिवपूजन शुक्ल, संस्था के अध्यक्ष श्यामधर तिवारी, राजीव मिश्र, चक्रधर ने भी विचार व्यक्त किया।

माउंट एवरेस्ट विजेता राजीव सौमित्र का तुलसी संस्थान बरौत में सम्मान

योगमंदिर, तुलसी संस्थान,
बरौत, हंडिया, प्रयागराज के
उद्घाटन अवसर पर
श्री नरेश कुमार वैद मानवशास्त्री व
निदेशक-वैद्स आईसीएस नई दिल्ली,
पद्मभूषण डॉ. बिंदेश्वर पाठक
संस्थापक-सुलभ इंटरनेशनल नई दिल्ली,
मा. राकेश धर त्रिपाठी
शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश,
स्वामी राम नारायण दास जी महाराज,
डॉ. ब्रह्मानंद चतुर्वेदी,
प्राचार्य मुरारका संस्कृत महाविद्यालय,
पटना व अन्य
दिनांक 20 अगस्त 2007

शोध-सर्वेक्षण

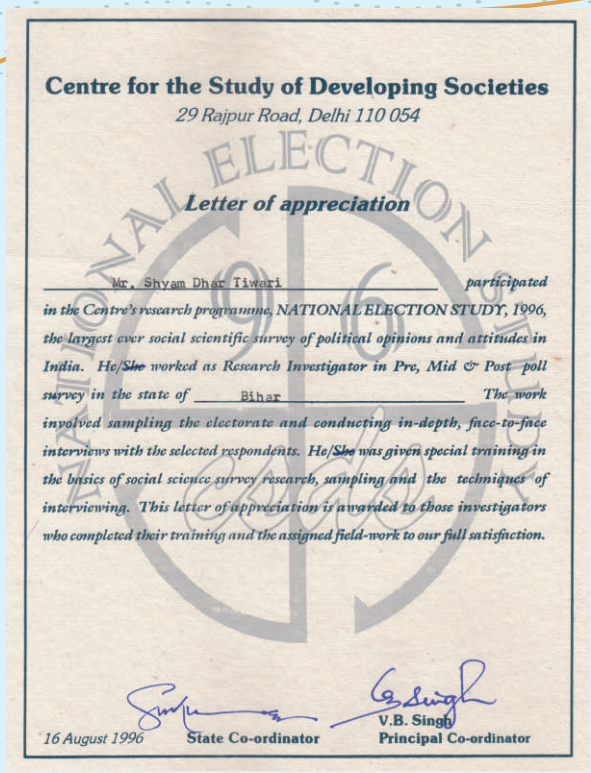

Centre for the Study of Developing Societies

29 Rajpur Road, Delhi 110 054

NATIONAL ELECTION STUDY

Letter of appreciation

Mr. Shyam Dhar Tiwari participated in the Centre's research programme, NATIONAL ELECTION STUDY, 1996, the largest ever social scientific survey of political opinions and attitudes in India. He/~~She~~ worked as Research Investigator in Pre, Mid & Post poll survey in the state of Bihar. The work involved sampling the electorate and conducting in-depth, face-to-face interviews with the selected respondents. He/~~She~~ was given special training in the basics of social science survey research, sampling and the techniques of interviewing. This letter of appreciation is awarded to those investigators who completed their training and the assigned field-work to our full satisfaction.

16 August 1996

State Co-ordinator

V.B. Singh
Principal Co-ordinator

सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज नई दिल्ली और
द हिंदू दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र के लिए
लोक सभा चुनाव 1996 का बिहार में शोध सर्वेक्षण

माननीय गिरिराज किशोर, मंत्री भारत सरकार,
श्रीमान सुरेश चह्वाणके, सुदर्शन न्यूज चैनल,
युग ऋषि आचार्य श्रीराम शर्मा जी
के वरद शिष्य श्री राम महेश मिश्र-अध्यक्ष एवं संस्थापक
भाग्योदय फाउंडेशन, नई दिल्ली,
डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो
(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)
स्वामी श्री धनेश्वर गिरि जी सिद्ध महाबली अखाड़ा
हिमाचल प्रदेश के साथ कांस्टीट्यूशन क्लब
नई दिल्ली में सभा दिनांक 9 नवंबर 2022

मैत्री

टैक्स एडवोकेट एसोसिएशन, गोरखपुर

दिनांक: 17-11-2018

सम्मान-पत्र

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान रचनात्मक एवं समाजिक सहयोग के लिये टैक्स एडवोकेट एसोसिएशन गोरखपुर, श्री ......डा॰ श्यामधर त्रिपाठी...... का अभारी है।

इस सहयोग के लिये माननीय मुख्य अतिथि "श्री कृष्ण पहल जी अपर महाधिवक्ता", प्रयाग उ.प्र. सरकार के करकमलों द्वारा आपको सम्मानित कराते हुये टैक्स एडवोकेट एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी स्वयं को गौरवान्वित महसूस करती है। आपके सुखद भविष्य की कामना के साथ एसोसिएशन यह आशा करता हे कि आगे भी आपका उत्साही सहयोग मिलता रहेगा।

सादर!

विजय प्रकाश दुबे
अध्यक्ष

ब्रजेन्द्र कुमार सिंह
महामंत्री

RUN FOR UNITY

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर
बक्सर से लोदीपुर (9 किमी.) पुरुष एवं
भोवापुर से लोदीपुर (6 किमी.) महिला दौड़ प्रतियोगिता
जनपद-मेरठ दिनांक 31.10.2022
सर्वश्री डॉ. अनिल मोरल, अमित कुमार मोहन,
डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो
(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)
महंथ सीताराम स्वामी, अहमदाबाद
मानानीय डॉ. सोमेंद्र तोमर, राज्यमंत्री उ.प्र. शासन
अंबरीश अधाना जी ओलंपिक कोच (एथलेटिक्स)

॥ सत्यमेव जयते ॥

जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

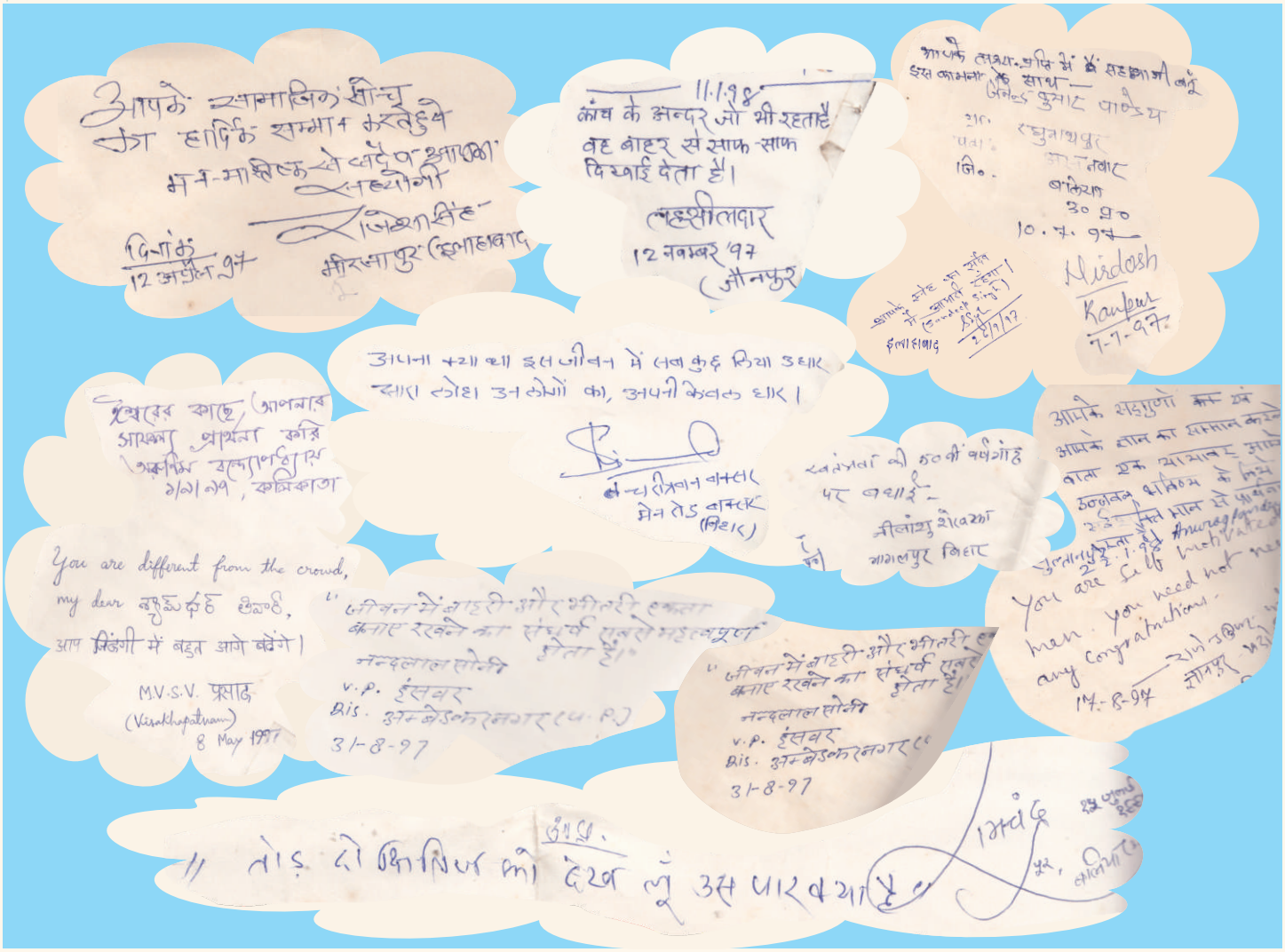

अखिल भारतीय
विद्यार्थी परिषद, लखनऊ
की बैठक में
डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो
(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)
डॉ. मृदुल शुक्ल, एन.बी.आर.आई.
व
अन्य साथी गण
दिनांक 21 अगस्त 2023

दैनिक जागरण

वाराणसी 22 जनवरी 2014

हौसलों की आंच से झुलसेगा भ्रष्टाचार

प्रमोद यादव

वाराणसी : यह कोई नारा या कविता की पंक्तियां नहीं संकल्प है। एक ऐसे सरकारी अधिकारी का जिसने दबावों से डिगने की बजाय दो-दो हाथ करने का हौसला दिखाया। अपने जैसे तमाम लोगों को भ्रष्टाचार के दलदल से बचाने के लिए सत्यमेव जयते संस्था को आकार दिया। वह कर दिखाया जिसे जान सुनकर अचंभा, अद्भुत, अनूठा जैसे शब्द बरबस ही जुबान पर आ जाते हैं। शिक्षक, वकील, तकनीकी विशेषज्ञ और सरकारी कर्मचारी- अधिकारी आज मिशन की ध्वज पताका के संवाहक हैं।

जहां कहीं भी जनाधिकार में बाधाएं आती हैं, ये मशाल बन जाते हैं। लोगों को उनके अधिकार और इसे पाने के नियम कानून व तौर तरीके बताते हैं। कैसे अपनी बात प्रभावी ढंग से रखनी है, यह भी सिखाते हैं। बात न बनने पर खुद भी दफ्तरों और तहसील दिवस तक में जाते हैं। सहजता से काम बन गया तो ठीक नहीं तो आरटीआइ, पीआइएल तक का अस्त्र भी आजमाते हैं। कार्यपालिका की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए कार्यकर्ताओं की टीम अधिकारियों की भी काउंसिलिंग करती है। उनमें इमानदारी से कार्य करने का जज्बा भरती है।

◆ दबाव से न डिगने का एक सरकारी अधिकारी का संकल्प

इसके लाभ बताते हैं और इस राह के झंझावातों से उबरने के तरीके भी बताते हैं।

संस्था के संस्थापक वाणिज्य कर सहायक आयुक्त श्यामधर तिवारी बताते हैं कि इन प्रयासों से कुछ अधिकारी संभल जाते हैं पर उनकी संख्या कम है। संस्था के जरिए प्रयास है भ्रष्टाचार की जड़ पर हमला और जो भी अधिकारी-कर्मचारी इमानदारी से कार्य कर रहे, दबाव में उनकी सत्यनिष्ठा बनी रहे।

रोप रहे नई पौध – ईमानदार कार्यपालिका के लिए सत्यमेव जयते ने नई पौध रोपनी शुरू की है। इसके लिए भारतीय संस्कृति विज्ञान एवं राष्ट्रीयता अभियान शुरू किया गया है। स्कूलों में इसके जरिए 15 वर्ष से उपर के किशोरों को भारतीय परंपराओं के साथ चुनौतियों के लिए तैयार रहने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पूर्वांचल के बाद अब पश्चिम में भी इसे विस्तार दिया जा रहा है।

सत्यमेव जयते न्यास द्वारा आयोजित महिला सशक्तीकरण - समाज और प्रशासन की भूमिका विषयक कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्रीमती पूर्णिमा बनर्जी-महाप्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा वाराणसी, आचार्या नंदिता शास्त्री चतुर्वेदा-पाणिनी कन्या महाविद्यालय वाराणसी, प्रो. सुमन जैन काशी हिंदू विश्वविद्यालय, श्रीमती रीता जायसवाल- अध्यक्ष विश्व नारी अभ्युदय संगठन श्री ध्रुवकांत ठाकुर-उप महानिरीक्षक पुलिस व अन्य स्थान - धर्मसंघ, दुर्गाकुंड, वाराणसी दिनांक - 1 अक्तूबर 2014

भंते सामधोंग रिनपोछे जी प्रधानमंत्री निर्वासित तिब्बत सरकार मुख्य अतिथि की उपस्थिति में विज्ञान जागरूकता समिति लखनऊ, सत्यमेव जयते न्यास प्रयागराज एवं मणि ग्रामोत्थान न्यास गोरखपुर द्वारा विज्ञान जागरूकता और मनुष्य का स्वार्थ एवं स्वराज विषयक कार्यशाला का बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर में आयोजन दिनांक 19 दिसंबर 2013

आर्यावर्ते सत्यमेवजयते अभियान

(15 अगस्त 2047 तक भारत का सर्वांगीण पुनर्जागरण)

सत्यमेव जयते जनसंकल्प यात्रा

क्षेत्र - प्रयाग - भदोही - काशी - भदोही - प्रयाग

अवधि - दिनांक : 01 अगस्त 2023 से 28 फरवरी 2024

उद्देश्य - सत्यमेव जयते राज की प्रतिष्ठा-प्रसार हेतु जनजागरण

आर्यावर्ते सत्यमेवजयते संगठन

जनपद - प्रयागराज

विधान सभा - 2
विकास खंड - 5
न्याय पंचायत - 48
ग्राम पंचायत - 421

पदाधिकारी एवं लक्षित सदस्य संख्या

समन्वयक - 2 व सह-समन्वयक - 2
प्रमुख - 5 व सह-प्रमुख - 7
प्रभारी - 48 व सह-प्रभारी 48
कर्णधार - 421 व सह-कर्णधार - 421
वार्ड स्तर सदस्य 9000

जनपद - भदोही

विधान सभा - 3
विकास खंड - 6
न्याय पंचायत - 79
ग्राम पंचायत - 554

पदाधिकारी एवं लक्षित सदस्य संख्या

समन्वयक - 3 व सह-समन्वयक - 3
प्रमुख - 7 व सह-प्रमुख - 9
प्रभारी - 79 व सह-प्रभारी 79
कर्णधार - 554 व सह कर्णधार - 554
वार्ड स्तर सदस्य - 11000

हमारी सात राष्ट्रीय प्राथमिकताएं

- एक देश में एक विधान
- जनसंख्या नियमन
- सामाजिक एकीकरण
- गाय और गंगा की रंक्षा
- कृषि, ग्राम विकास एवं पर्यावरण संरक्षण
- राष्ट्रीय शिक्षा और संस्कार
- स्वच्छ, स्वस्थ, संपन्न भारत

सत्यमेव जयते प्रत्येक नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार है!

रामलीला मैदान-मेघीपुर, औराई

नेताजी राज नारायण इंटर कालेज-सरबतखानी, भदोही

मानस सम्मेलन-खेमापुर, डीघ

पावन रज संग्रह-पूरेकांता, धनूपुर

रामनाथी, हंडिया

भिखारीरामपुर, सुरियावां

नेत्र दान का शुभ संकल्प - अंधेपन का बने विकल्प

राजनीतिक क्रिया-कलाप

मेरी माटी-मेरा देश अभियान के अंतर्गत भदोही लोकसभा क्षेत्र के एक हजार गाँवों के घरों, खेतों, विद्यालयों, गोशालाओं और घाटों से पावन रज का संग्रह

'**जाड़ता राजा**' के नाट्य मंचन को देखने के लिए भदोही क्षेत्र के युवकों को काशी भ्रमण कराया गया

श्री राम मंदिर के जनवरी 2024 में उद्घाटन के उपरांत दर्शन हेतु में क्षेत्रीय जनता में जनजागरण आमंत्रण हेतु संपर्क किया गया

वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्प पूर्ति हेतु जनजागरण तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने हेतु क्षेत्र में भ्रमण

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव में भारी सफलता के उपलक्ष्य में पार्टी मुख्यालय नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी

अखिल विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन नई दिल्ली में भागीदारी । ब्राह्मण महाकुंभ लखनऊ में सहभागिता

पार्टी मुख्यालय नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्रीय अधिवेशन नई दिल्ली

ब्राह्मण महाकुंभ, लखनऊ

ब्राह्मण महाकुंभ, लखनऊ

॥ सत्यमेव जयते ॥

भदोही लोकसभा क्षेत्र के लिए कार्य योजना
सांसद के रूप में हमारी 10 प्राथमिकताएँ

1. अच्छी सड़कें –

सांसद निधि एवं अन्य संसाधनों का सदुपयोग करके क्षेत्र की ग्रामीण सड़कों का त्वरित और मासिक अनुरक्षण कराया जाएगा। जनसूचना प्राप्त होने पर प्रमुख ग्रामीण सड़कों को शीघ्र गढ्ढ़ा मुक्त बनाने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य हेतु चलित हॉट मिक्स प्लांट उपलब्ध कराया जाएगा। गाँव की सड़कों को 25 फुट चौड़ा कराने और 90 डिग्री मोड़ को गोलाकार कराने की योजना बनाई जाएगी। सड़कों के किनारे फूल, फल और छायाकर पौधों का रोपण कार्य होगा।

2. ग्रामवासियों का पोषण और पर्यावरण–

ग्राम पंचायत, नगर पंचायत और नगर पालिका परिषद क्षेत्र के निर्धन, वंचित निवासियों का पोषण स्तर बढ़ाने तथा ग्राम पर्यावरण और प्राकृतिक सौंदर्य की वृद्धि हेतु घर-घर रोपण, घर-घर पोषण योजना आरंभ की जाएगी। प्रत्येक ग्रामवासी परिवार के घर के आस-पास पांच प्रकार के फूल, फल, शाक, औषधि और छायाकर पौधों का निःशुल्क या नाम मात्र की लागत पर रोपण कराया जाएगा। भूमि के अभाव में गमलों और छत पर वाटिका बनाई जाएगी। पर्याप्त संख्या में पौधे उपलब्ध कराने के लिए सभी विकास खंडों में पौधशालाओं की स्थापना का कार्य कराया जाएगा।

3. सुशासन और विकास–

राजकीय कार्यालयों में और शासन द्वारा आवंटित धन से संचालित कार्यों के निर्धारित समय में पारदर्शी ढंग से संपादन हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों और जनसाधारण की संयुक्त जन-सुनवाई की जाएगी। संसद सत्र की अवधि को छोड़कर तहसीलों और विकास खंडों — हंडिया, ज्ञानपुर, औराई, भदोही, डीघ, सुरियावां, अभोली, धनूपुर, सैदाबाद, प्रतापपुर और फूलपुर में प्रत्येक माह खुली बैठकें आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में स्वयं पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 6 बजे तक उपस्थित रहकर राजकीय और सामाजिक कार्यों, कार्यक्रमों की गुणवत्ता और नवाचार का विकास किया जाएगा। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु राजकीय कर्मियों और जनसाधारण को आवश्यक और पर्याप्त प्रशिक्षण, सहयोग व अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

भूमि विवाद के समस्त प्रकरणों की सूची उप-जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल के कार्यालय/पटल पर निरंतर प्रदर्शित कराई जाएगी। भूमि माप के आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके ऐसे समस्त विवादों का अधिकतम एक वर्ष में निस्तारण और स्थायी समाधान कराया जाएगा।

पुलिस कोतवाली, थाना और चौकी में नागरिकों के साथ भद्र व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित न्यायिक और प्रशासनिक आदेशों के अनुपालन के उपाय किए जाएँगे। पुलिस कर्मियों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था कराई जाएगी।

राजकीय कार्यों में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी को रोकने के लिए पारदर्शिता और जनसहभागिता की कार्य प्रणालियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले नागरिकों और पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा।

4. स्वास्थ्य सुरक्षा –

वर्तमान में संचालित प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालयों में उच्चस्तरीय आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की सहज सुलभता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संसाधनों का विस्तार किया जाएगा। चिकित्सा केंद्रों में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाएगी।

लोकसभा क्षेत्र भदोही के गाँव-गाँव, घर-घर में वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और महिलाओं के सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण हेतु सुविधा और प्रणाली विकसित की जाएगी।

क्षेत्रवासियों में स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाने, खान-पान, रहन-सहन की वैज्ञानिक जीवन शैली, प्राकृतिक उपचार और प्राथमिक चिकित्सा विधियों के ज्ञान का प्रत्येक घर, गाँव, नगर, विद्यालय, कार्यालय, सार्वजनिक स्थलों पर निरंतर प्रचार-प्रसार कराया जाएगा।

स्वास्थ्य सुरक्षा और संवर्धन हेतु प्रत्येक विकास खंड में जनसहयोग से प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना की जाएगी।

5. शिक्षा, संस्कार एवं खेल सुविधाएँ–

विद्यालयों में शिक्षा और संस्कार की नई कार्य पद्धति विकसित की जाएगी। रोचक पुस्तकालय, विद्यालयों में विविध विषयों का साप्ताहिक आवासीय प्रशिक्षण, योगाभ्यास, खेल व बौद्धिक कला कौशल की अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताएं आरंभ कराई जाएगी। राजकीय विद्यालयों और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों में परस्पर संवाद और शैक्षिक नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा। उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यालयों में शैक्षिक कैलेंडर का निर्धारण और अनुपालन कराया जाएगा। प्रत्येक वर्ष प्रत्येक तहसील के विद्वान शिक्षकों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

6. कृषि एवं ग्राम विकास–

खेती कार्य को लाभकारी बनाने के लिए समस्त विकास खंडों में किसानों को आधुनिक कृषि का निरंतर और पर्याप्त प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। सांसद निधि का सदुपयोग करके निःशुल्क या नाम मात्र के भाड़े पर कृषि उपकरण सुलभ कराया जाएगा। बीज, उर्वरक तथा घोषित राजकीय सुविधाएं समय पर किसानों को सहजता से प्राप्त कराने के लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा। किसानों की समस्या और उसके समाधान की योजना संसद में रखने का कार्य किया जाएगा। किसानों के हित में भारत सरकार, प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के साथ समुचित समन्वय बनाने का कार्य किया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से प्रत्येक विकास खंड में आदर्श गाँव विकसित किया जाएगा। आदर्श गाँव में पर्याप्त जल संरक्षण, कमल खिले जल सरोवर, तरणताल, हरियाली हेतु घर, मार्ग और सरोवर के तट पर आम, नीम, पीपल, बरगद आदि वृक्ष, विविध प्रकार के फूल, फल, शाक औषधीय पौधे, गोचर भूमि, जन चौपाल और जनोपयोगी कार्यों का कौशल प्रशिक्षण केंद्र विकसित-स्थापित कराया जाएगा। ग्रामवासियों का नाम, काम, आवश्यकताएं और संसाधनों की सूचना का प्रदर्शन और प्रबंधन किया जाएगा। गाँव में अच्छी चौड़ी सड़कें और संपर्क मार्ग, सौर ऊर्जा, पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ कार्यालय, पर्याप्त कूड़ा निस्तारण हेतु घर-घर जैव खाद केंद्र, शाक, फूल-फल की मंडी, प्राकृतिक और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, गाँवों में भूमि विवादों का स्थानीय और त्वरित निस्तारण, शिक्षा और संस्कार प्रदान करने वाले विद्यालय होंगे। गावों में गोशालाओं और खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना तथा सहकारिता और उद्यमिता को प्रोत्साहित सम्मानित किया जाएगा। खेतों में सिंचाई और गावों में कृषि उत्पादों का भंडारण व मंडी सुविधाओं का विकास कराया जाएगा। जन प्रेरणा से गावों में औषधि वाटिकाएं एवं फलोद्यान बनाए जाएंगे।

7. रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण–

काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर सहित अन्य प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में वार्षिक रोजगार मेला का आयोजन कराया जाएगा। क्षेत्र में कुटीर उद्योगों का गांव-गांव विस्तार करने के लिए ग्रामीण युवाओं और कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन कराने के साथ बैंक ऋण आदि के लिए सांसद स्तर पर मासिक समीक्षा की जाएगी। पाँच वर्षों में एक हजार गावों में एक लाख सफल कुटीर उद्योगों की स्थापना और संचालन के लिए लगातार कार्य किया जाएगा। क्षेत्र में रोजगार की संभावना बढ़ाने के लिए निजी एवं राजकीय लघु उद्योगों की स्थापना का प्रयास करेंगे। शिक्षण संस्थानों में जीवनोपयोगी कार्यों पर शोध और सेमिनार का आयोजन कराया जाएगा।

कंप्यूटर शिक्षा, भवन निर्माण तकनीक, पुस्तकालय स्थापना और सड़क सुरक्षा, वाहन संचालन, तैराकी आदि खेल हेतु विशेष प्रशिक्षण, कार्यशालाओं का विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आयोजन किया जाएगा।

क्षेत्र के निवासियों के लिए रोजगार पोर्टल विकसित कराया जाएगा, जहाँ कार्य कराने और कार्य करने के लिए इच्छुक ग्रामवासियों का दैनिक इंटरफेस संपर्क कराया जाएगा। इस व्यवस्था से ग्रामवासियों के समय, श्रम, धन की बचत होगी और सार्वजनिक रूप से क्षेत्र का त्वरित विकास होगा। क्षेत्र में एक सौ से अधिक व्यक्तियों को मासिक रोजगार उपलब्ध कराने वाले महानुभावों को सांसद द्वारा सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा।

भदोही लोकसभा क्षेत्र में विश्वस्तरीय, सुंदर, अच्छे भवन, सेतु आदि निर्माण कार्य को संभव करने वाले अभियंताओं, ठेकेदारों, भवन स्वामियों और प्रशासकों को संसद द्वारा प्रोत्साहित, सम्मानित किया जाएगा।

8. विविध निर्माण कार्य–

भदोही लोकसभा क्षेत्र में निम्नलिखित सुविधाओं की स्थापना, निर्माण के लिए पांच वर्ष के कार्यकाल में अहर्निश कार्य किया जाएगा—

(1) गंगा जी के उत्तर और दक्षिण के निवासियों के सुगम आवागमन और उद्योग व्यापार की वृद्धि हेतु गंगाजी पर चार से छह लेन का सेतु निर्माण

(2) विधानसभा क्षेत्र - हंडिया, प्रतापपुर, ज्ञानपुर, औराई और भदोही में छोटे मझोले उद्योंगों की स्थापना

(3) गोपीगंज में आधुनिक चिकित्सा संस्थान की स्थापना

(4) काशीनरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर को विश्वविद्यालय बनाया जाना

(5) सेमराधनाथ, सीतामढ़ी और लाक्षागृह का आध्यात्मिक तीर्थस्थल के रूप में विकास

(6) प्रत्येक तहसील में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

(7) प्रत्येक विकासखंड में स्टेडियम

(8) प्रत्येक न्याय पंचायत में ई-पुस्तकालय

(9) प्रत्येक ग्राम पंचायत में तरणताल का निर्माण

(10) वानप्रस्थियों के लिए सैदाबाद और सुरियावां में पंचवटी अरण्य की स्थापना

9. वरिष्ठ नागरिकों की सेवा और सम्मान–

वरिष्ठ मातृशक्ति और 75 वर्ष से अधिक वय के क्षेत्रवासियों की समस्याओं की सुनवाई और समाधान हेतु उच्चतम संवेदनशीलता रहेगी।

समाज में विशिष्ट योगदान करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। समाज कार्य में उनके सुझावों के लिए पोर्टल विकसित कराया जायेगा। इसके लिए एक पोर्टल विकसित कराया जाएगा।

वानप्रस्थी साधकों के लिए स्थापित पंचवटी अरण्यों में जल, फूल-फल युक्त वृक्ष, पर्याप्त आश्रय स्थल और प्राकृतिक व आधुनिक चिकित्सा सुविधा सुलभ होगी। इन स्थानों का संचालन 50 से 75 वर्ष के वानप्रस्थी नागरिकों के विचार और नेतृत्व में किया जाएगा।

10. युवाशक्ति का संगठन और नेतृत्व विकास–

भारत की महान सांस्कृतिक संपदा को संरक्षित रखने और आगे बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायतों, न्याय पंचायतों, नगर पंचायतों, नगर पालिका परिषदों, विकास खंडों, विधान सभा और लोकसभा क्षेत्र के स्तर पर युवाओं का संगठन स्थापित किया जाएगा। यह संगठन सदाचार का प्रोत्साहन और अनीति अन्याय के प्रतिकार का कार्य करेगा। युवाओं द्वारा संचालित रचनात्मक कार्यों में सहयोग करने के साथ उनको सम्मान-पहचान दिलाया जायेगा।

इस अर्थ और विधि से भदोही लोकसभा क्षेत्र आधुनिक भारत के सशक्तीकरण का अग्रदूत बनेगा। स्वाधीनता के एक सौ वर्ष पूरा होने पर 15 अगस्त 2047 तक भारत के समस्त नागरिकों को जाति-संप्रदाय से परे समान अवसर, कानून और न्याय की प्राप्ति सुनिश्चित कराने हेतु कार्य किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, खेल, सुशासन, विकास आदि के क्षेत्र में भारत के सर्वांगीण पुनर्जागरण और विश्वस्तरीय सुविधाओं के विकास का लक्ष्य सामने रखकर काम करेंगे। इस प्रकार वर्तमान शताब्दी में भारत धरती की सर्वाधिक समुन्नत अर्थ व्यवस्था और सुरक्षा क्षमता के साथ शांति और दार्शनिक, वैज्ञानिक प्रगति का वाहक बनकर वैभवशाली राष्ट्र का स्थान प्राप्त करेगा। धरती, प्रकृति और मनुष्य सहित समस्त जीवों के कल्याणार्थ हमारा भारत देश पुनः जगद्गुरु बनेगा।

सामाजिक कार्य

1997 - समाजसेवी संस्था-**तुलसी संस्थान बरौत, प्रयागराज की स्थापना** शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और ग्राम विकास के क्षेत्र में जन-जागरण व सेवा कार्य

2005 - तुलसी शिविर, प्रयाग के माध्यम से प्रयाग संगम क्षेत्र में साधु-संतों एवं तीर्थ यात्रियों के लिए प्रतिवर्ष एक माह सेवा कार्य

2007 - सत्यनिष्ठ, कर्मनिष्ठ, भारतभक्त लोकसेवकों का संगठन सत्यमेव जयते न्यास की स्थापना

आंदोलनात्मक कार्य

1986 - रामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के कार्यकर्ता

2011 - 13 भ्रष्टाचार के विरुद्ध अन्ना हजारे के राष्ट्रीय आंदोलन का वाराणसी में आयोजन-संयोजन

विविध कार्य

1991 से रक्तदान व नेत्रदान कार्यक्रमों का आयोजन

1999 से **अशक्तजनों की चिकित्सा सेवा** - बाँदा, चंदौली, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र, गोरखपुर

2004 से **कानपुर से गोरखपुर के मध्य** पदयात्रा एवं सैकड़ों विद्यालयों-विश्वविद्यालयों में विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन

विविध पत्र, पत्रिकाओं में लेख तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन नई दिल्ली में वार्ताएं

सांगठनिक संबंध

● राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ - स्वयंसेवक (प्रयागराज 1981), शाखा कार्यवाह (ज्ञानपुर 1987-88), प्रथम वर्ष प्रशिक्षण (वाराणसी 2010)● रामकृष्ण मिशन, प्रयाग (1985) ● अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1995) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ● योगदा सत्संग सोसाइटी, राँची 2003 ● गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार (2003) ● आर्ट ऑफ लिविंग, वाराणसी (2007) ● भारत विकास परिषद, वाराणसी (2008)

विशेष

- 2022 - आर्यावर्ते सत्यमेवजयते अभियान के संचालन हेतु राजकीय सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

- संप्रति प्रयाग से भदोही, काशी के मध्य एक हजार गाँवों एवं एक लाख घरों-परिवारों, विद्यालयों, खेतों-खलिहानों, गोशालाओं और गंगा जी के घाटों का भ्रमण, सघन जनसंपर्क और माटी संग्रह तथा दस हजार घरों में फलदायी पौधों का रोपण एवं दस हजार घरों में आर्यावर्ते सत्यमेवजयते ध्वज स्थापना का कार्य

संदर्भ

प्रो.कृष्ण बिहारी पांडेय जी पूर्व कुलपति व पूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश एवं पूर्व संघचालक काशी प्रांत, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय जी प्रयागराज, स्वामी रामदेव जी महाराज हरिद्वार, श्रीमान मनोज जी संप्रति सह-संपर्क प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, अयोध्या, मा. दया शंकर मिश्र 'दयालु गुरु' जी - मंत्री उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

जय सिया राम

वह शक्ति हमें दो दयानिधे, कर्तव्य मार्ग पर डट जावें।
पर सेवा पर उपकार में हम, जग जीवन सफल बना जावें।।
हम दीन दुखी निबलों विकलों के सेवक बन संताप हरें।
जो हैं अटके भूले भटके, उनको तारें खुद तर जावें।। वह शक्ति...
छल दंभ द्वेष पाखंड झूठ अन्याय से निशि दिन दूर रहें।
जीवन हो शुद्ध सरल अपना, शुचि प्रेम सुधा रस बरसावें।। वह शक्ति...
निज आन मान मर्यादा का, प्रभु ध्यान रहे अभिमान रहे।
जिस धरा धाम पर जन्म लिया, बलिदान उसी पर हो जावें।। वह शक्ति...

॥ सत्यमेव जयते ॥

पुण्य भूमि-भारत माता

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र संततिः।।

(विष्णु पुराण अंश २, अध्याय-३, श्लोक-१)

समुद्र के उत्तर में तथा हिमालय के दक्षिण में स्थित महान देश का नाम भारतवर्ष है तथा सभी भारतीय इसकी संतान हैं।

''भारत महान आध्यात्मिक संस्कृति
और ज्ञान संपदा का देश है।
मुझे अपने देश पर गर्व है।
मैं भारत को प्रेम करता हूँ।
भारत को धरती का समृद्ध
सशक्त और सर्वोत्तम राष्ट्र
बनाने के लिए
आजीवन अविचल सत्यनिष्ठा
और
कर्मनिष्ठा का
संकल्प धारण
करता हूँ।''

-डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो

(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)

डॉ0 श्याम धर तिवारी-सभालो

(उपाख्य-डॉ. सत्यमेवजयते भारत लोकमंगल)

अध्यक्ष - सत्यमेव जयते न्यास

स्वैच्छिक सेवा निवृत्त उप आयुक्त राज्य कर, उत्तर प्रदेश

पूर्व अध्यक्ष - उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर अधिकारी संघ

: 9452302585, 8528773549

: तुलसी संस्थान बरौत, प्रयागराज, उ.प्र.-221502

: sabhalo21@gmail.com

: satyamevjayatebharat.org

भारत भक्ति - सेवा शक्ति